हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली

१३६०. श्री रु० मे० मालवीय : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण कार्य द्रुत गति से सम्पन्न हो सके इस दृष्टि से द्वितीय पंचवर्षीय योजना-काल में पांच विशेष अधिकारियों और पचास अनुसंधान सहायकों की नियुक्ति की जाने वाली थी ;

(ख) इस सम्बन्ध में अब तक कितनी और किस प्रकार की नियुक्तियां की गई हैं, और

(ग) यदि नहीं, तो इस दिशा में कब तक कदम उठाये जायेंगे ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) वर्तमान अमले को बढ़ा कर, कुल पांच विशेष अधिकारी और पचास अनुसंधान सहायक, कर देने का प्रस्ताव था ।

(ख) दूसरी पंचवर्षीय आयोजना के आरम्भ होने से अब तक सात अनुसंधान सहायक और भरती किये जा चुके हैं । इससे अमले की संख्या इस समय तीन विशेष अधिकारी और छब्बीस अनुसंधान सहायक हो गयी है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

पिछड़े वर्गों के लिये भवन

१३६१. श्री रु० मे० मालवीय : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूतपूर्व मध्य भारत के आदिम-जाति सामूहिक कल्याण केन्द्रों और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण केन्द्रों के लिये प्रथम पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत भवन निर्माण के लिये कितनी राशि की व्यवस्था की गई थी;

(ख) आदिम-जाति और पिछड़े वर्गों के लोगों के लिये उक्त योजना के अन्तर्गत कुल कितने कल्याण केन्द्रों के भवनों का निर्माण किया जाने वाला था और इसी अवधि में कितने भवनों का निर्माण किया गया;

(ग) प्रथम पंचवर्षीय योजनावधि में निर्माण किये जाने वाले भवनों में से कितनों का निर्माण नहीं हो सका और इसके क्या कारण हैं ।

(घ) अनिर्मित भवनों के लिये मंजूर की गई राशि व्यपगत हो चुकी है या उसे लौटा दिया गया है या उसका विनियोग कहीं अन्यत्र कर लिया गया है;

(ङ) ये अनिर्मित भवन कब तक बन-कर तैयार हो जायेंगे ;

(च) क्या अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के आयुक्त (भारत सरकार) ने मध्य भारत क्षेत्र के दौरे के समय इन अनिर्मित भवनों की जानकारी प्राप्त की थी; और

(छ) यदि हां, तो क्या भारत सरकार ने राज्य सरकार को पंचवर्षीय योजनावधि के अपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिये लिखा है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त): (क) से (छ) . सूचना राज्य सरकार से एकत्र की जा रही है और प्राप्त हो जाने पर वह सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

Juvenile Convicts

1362. Shri L. Achaw Singh: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether there is any separate enclosure for detention for juvenile convicts in the Manipur Jail;

(b) the number of juvenile delinquents arrested and convicted in the years 1955, 1956 and 1957 respectively;